an>

Title: Need to waive off loans of farmers in Maharashtra.

राजीव सातव (हिंगोली) : अध्यक्ष महोदया, मैं देश के सबसे ज्यादा किसान की आत्महत्या होने वाले राज्य महाराÂट्र से आता हूं। दुर्भाग्यवश मेरे क्षेत्र हिंगोली, यवतमाल और नांदेड़ में सबसे ज्यादा किसान की आत्महत्या होती है। गृह मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार पिछले तीन सालों में साढ़े ग्यारह हजार से ज्यादा किसानों ने महाराष्ट्र में आत्महत्याएं की हैं। पिछले तीन सालों में किसानों की सपोर्ट प्राइस भी नहीं बढ़ी है। मराठवाडा और विदर्भ में तूर की खरीदी के लिए लोगों को वहां पन्द्रह दिनों तक रुकना पड़ रहा है। तूर की खरीदी न होने का कारण यह है कि वहां बैग्स नहीं हैं।

अध्यक्ष महोदया, मेरा आपके माध्यम से आग्रह है कि वर्ष 2009 में जब मनमोहन सिंह जी प्रधान मंत्री थे, तब उन्होंने कर्जा माफी का निर्णय लिया था। अब विनती यह है कि हमारे सदन के सदस्य और यूपी के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने यूपी में जाते ही किसानों का कर्जा माफ करने का डिसीजन लिया। यह कर्जा पूरा माफ नहीं है, लेकिन हम इसका स्वागत करते हैं, क्योंकि उन्होंने एक अच्छा स्टेप लिया है।

मंत्री जी, आप तालियां बजा रहे हैं, यह बड़ी अच्छी बात है, लेकिन हम कहना चाहते हैं कि महाराÂट्र में पिछले पन्द्रह दिनों से कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस आदि ने संघÂर्ष यात्रा निकाली थी। मैं मांग करना चाहता हूं कि सरकार महाराष्ट्र और देश के अन्य हिस्सों में रह रहे किसानों का कर्जा माफ करे। आरबीआई के गवर्नर का एक स्टेटमैंट है। उन्होंने कहा है कि कर्ज माफी नहीं होनी चाहिए। एसबीआई के चेयरमैन ने कहा कि कर्ज माफी नहीं होनी चाहिए। आरबीआई के गवर्नर का पगार कल तीन गुना बढ़ाया गया है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप केवल कर्जा माफी की डिमांड कीजिए।

राजीव सातव: आप उनका पगार तीन गुना बढ़ा रहे हैं, लेकिन किसान के हाथ में कुछ नहीं लग रहा। मैं विनती करना चाहता हूं कि सरकार महाराष्ट्र और पूरे देश के किसानों का कर्जा माफ करे। राज्य और केन्द्र, दोनों सरकारें इस बारे में निर्णय ले।